विचार बिन्दु

असत्य फूस के ढेर की तरह है। सत्य की एक चिनगारी भी उसे भस्म कर देती है। –हरिभाऊ उपाध्याय

तेल पर सरकारी मुनाफे का खेल

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पिछले महीनों में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का फायदा आम जनता तक नहीं पहुंच रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी गई है। इस दौरान ब्रेंट क्रूड ऑयल के प्राइस गिरकर 75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गए हैं। इसके बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है।

आम जनता पूछ रही है–देश के लोगों को अच्छे दिन कब देखने को मिलेंगे। कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतें रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद मार्च, 2022 में 139 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं। अब ये कीमतें 75 डॉलर तक आ चुकी हैं और जनता सस्ते तेल का इंतज़ार कर रही है। हालाँकि पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कमी आने के कई बार संकेत दिए हैं। हरदीप सिंह पुरी का कहना है कि तेल कंपनियों के घाटे की भरपाई हो रही है। जिसके बाद तेल कंपनियों की ओर से पेट्रोल और डीजल के दाम घटाने पर विचार किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम स्थिर बने रहें तो पेट्रोल-डीजल की कीमत देश में कम हो सकती है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल मार्केटिंग कंपनियों का घाटा पूरा हो चुका है, इसलिए पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी की उम्मीद की जा सकती है। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से जल्द ही ईंधन के दाम में कमी करने की संभावना है। सरकार को भी उम्मीद है कि वह कच्चे तेल में कटौती का फायदा पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी करके आम लोगों को जल्द दे सकती है। विश्लेषकों का कहना है तेल की कीमतों में खेल करके सरकार ने लाखों-करोड़ों तो कमाए हैं, साथ में तेल कंपनियों का मुनाफा भी पिछले कुछ समय में 20 गुना बढ़ गया है। लेकिन इन सबकी कीमत जनता को ही चुकानी पड़ी है। आज देश के चौक चौराहों और गांव गुवाड़ में लोग यह चर्चा करते मिल जायेंगे की मोदी तेल कब सस्ता करेगा।

कुछ समय से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट देखी गई है। जनवरी–मार्च 2023 के दौरान तेल 80 डॉलर के स्तर पर था वह मई 2023 में कम होकर 75 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया। वहीं भारतीय कच्चे तेल की कीमत जून 2022 में 116 डॉलर प्रति बैरल पर थी। इसका मतलब है कि कच्चे तेल की कमी का फायदा दिया जाता है तो ईंधन की कीमतों में बड़ी कमी हो सकती है। सरकार की दलील है कि तीनों तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पिछली तिमाही में अच्छा मुनाफा कमाया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन का कुल शुद्ध मुनाफा पिछले साल की समान अवधि से 52 फीसदी बढ़कर 10,841.23 करोड़ रुपये हो गया। भारत पेट्रोलियम का शुद्ध मुनाफा 168 फीसदी बढ़कर 6,780 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान पेट्रोलियम का मुनाफा 79 फीसदी बढ़कर 3,608 करोड़ रुपये रहा।

सरकार को भी उम्मीद है कि वह कच्चे तेल में कटौती का फायदा पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी करके आम लोगों को जल्द दे सकती है। विश्लेषकों का कहना है तेल की कीमतों में खेल करके सरकार ने लाखों-करोड़ों तो कमाए हैं, साथ में तेल कंपनियों का मुनाफा भी पिछले कुछ समय में 20 गुना बढ़ गया है। लेकिन इन सबकी कीमत जनता को ही चुकानी पड़ी है।

कच्चे तेल की कीमतों में हो रही गिरावट का असर भारत पर देखने को नहीं मिल रहा है। काफी समय से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सितंबर 2022 तक रूस अपने तेल को ब्रेंट क्रूड के मुकाबले 20 डॉलर प्रति बैरल सस्ता बेच रहा था। भारत सस्ते रूसी तेल का बड़ा खरीदार बनकर उभर रहा है। लेकिन 60 डॉलर के प्राइस कैप लगने के बाद भारत को आने वाले दिनों में नुकसान उठाना पकड़ सकता है। फिलहाल भारत को रूस की ओर से तेल छूट पर मिल रही है। हालांकि, भारत के लिए फिलहाल किसी तरह की मुश्किल बढ़ती हुई नजर नहीं आ रही है। क्योंकि मौजूदा समय में 60 से 70 डॉलर प्रति बैरल की दर से ही रूस से ही रूस से तेल खरीद रहा है। कच्चे तेल की कीमतें जुलाई, 2008 के बाद इस साल मार्च में 140 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई थीं। उसके बाद से 46 फीसदी गिरावट के साथ यह इस साल सबसे निचले स्तर 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल को लीटर और रुपये के हिसाब से अनुमान लगाएं तो कीमत 9 महीने में 33 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा घटनी चाहिए। इसके बाद भी देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट देखने को नहीं मिली है। लेकिन अब पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर हो रहे फायदे का कुछ हिस्सा जनता को देने की चर्चा हो रही है। पेट्रोल का भाव देश के कई स्थानों पर 113 रूपये प्रति लीटर को पार कर गया है। आईसीआरए के उपाध्यक्ष प्रशांत वशिष्ठ ने कहा कि फिलहाल ईंधन की कीमतों में कटौती हो सकती है, क्योंकि कच्चे तेल में गिरावट और एमएस और एचएसडी दोनों के क्रैक स्प्रेड में कमी के कारण मार्केटिंग में अच्छा मुनाफा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि डीजल में कम से कम 2-3 रुपये और पेट्रोल में 5-6 रुपये प्रति लीटर की कटौती की संभावना है। इससे पूर्व पेट्रोलियम मंत्री भी दामों में कमी की बात कह चुके है।

हालांकि इससे देश की अर्थव्यवस्था में व्यापक सुधार के लक्षण परिलक्षित हुए हैं। आज की स्थिति की निष्पक्ष होकर समीक्षा करें तो सरकार मालामाल हो रही है और जनता कंगाल। आम उपभोक्ता आज भी महंगाई की बेरहम मार से पीड़ित होकर कराहने पर मजबूर है। सब्जी से लेकर दाल तक के भाव आसमान पर हैं और जनता धरती पर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए यह अवधि सुकून भरी है। पैट्रोल-डीजल की कीमतें हाहाकार की स्थिति से नीचे आकर धीरे-धीरे आम आदमी की पकड़ में आने लगी हैं। मगर कीमतों में गिरावट का पूरा फायदा सरकार आम जनता को नहीं दे रही है। इसमें सरकार के अपने तर्क वाजिब हो सकते हैं मगर जनता अपने अच्छे दिनों का इन्तजार कर रही है। जनता चाहती है कि तेल के भावों में गिरावट का उसे पूरा फायदा मिलना ही चाहिये।

इस समय विश्व की अर्थव्यवस्था की मजबूत धुरी तेल ही है। विभिन्न देशों की सरकारों की राजस्व प्राप्ति का एक बड़ा हिस्सा पैट्रोलियम पदार्थों से हासिल होता है। सरकार का कहना है कि जब तेल की कीमतें आसमान को छूने लगती हैं तब जनता को राहत प्रदान करने के लिए सरकार पर्याप्त मात्रा में अनुदान देती है जिसका फायदा जनता तक पहुंचता है। आज जब कीमतें गिर रही हैं तो सरकार को उत्पाद कर वसूलने का पूरा अधिकार है। सरकार का यह कथन पूरी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता लोकतांत्रिक व्यवस्था में पहला हित जनता का संरक्षित होना है। सरकार का यह दायित्व है कि वह अपनी जनता को विभिन्न रियायतें उपलब्ध कराकर लाभान्वित करे।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

विरासत की धरोहर–आमेर किला

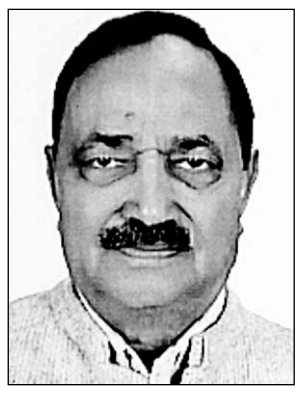

देवीसिंह नरूका

जयपुर के जन्तर मन्तर के बाद राजपूत राजाओं द्वारा निर्मित राजस्थान के छह: किलो को भी यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर की सूची में सम्मिलित किया गया हैं। यह है आमेर का किला, रणथंभोर दुर्ग, चितौडगढ दुर्ग, कुम्भलगढ दुर्ग, गागरोन दुर्ग और जैसलमेर का किला। वस्तुत: जब युद्धो में गोला, बारूद, तोपों का उपयोग किया जाने लगा तब किलों का महत्व अधिक बढ गया। किलों में ही पर्याप्त अस्त्र-शस्त्र, गोला बारूद, मुख्य स्थानों पर तोपों की स्थापना, सेना के रहने और उनके लिए खाद्य सामग्री व पानी की व्यवस्था भी की जाती थी। किलों में ही राजपरिवार व सेना के रहने के लिए अलग भवनों का निर्माण कराया जाता था।

जयपुर के ढूंढाड़ क्षेत्र में लगभग एक हजार वर्ष तक कच्छवाह राजपूत राजवंश का शासन रहा। इससे पूर्व यह क्षेत्र मीणो के अधीन था। 967 ई. में आमेर नगर के अस्तित्व का उल्लेख मिलता हैं। 1037 ई. में कच्छवाह राजपूतों ने इस पर कब्जा किया तथा 1727 ई. में जयपुर नगर की स्थापना व इस के निर्माण तक आमेर इस क्षेत्र की राजधानी रहा। यहां के शासको ने अनेक भवन, मन्दिर आदि बनवाये। आमेर के इतिहास प्रसिद्ध राजाओं में पंजवन राय (1161-1191 ई.) भी थे जो अंतिम हिन्दू सम्राट पृथ्वीराज चौहान के मुख्य सेनापति थे। जब पृथ्वीराज संयोगिता का अपहरण कर लाये तब संयोगिता के पिता कन्नौज के राजा जयचन्द की सेना को रोकते हुए वह वीर गति को प्राप्त हो गये थे। कविवर चन्द्रबरदाई के शब्दों में तब सम्राट पृथ्वीराज ने अपना शोक प्रकट करते हुए कहा था–

''आज रांड ढिल्लड़ी, आज ढूंढाड़ अनाथइ।
आज अदिन पृथीराज, आज सांवत बिन माथइ॥
आज पर दल दल जोर, आज निज दल भ्रम भग्गे।
आज मही बिन कसम, आज मुरजाद उलंघे॥
हिन्दवाण आज टूटी ढिली, अब तुरकाणी उच्छटिय।
कूरम पंजू मरता थकां, मनहु चाप गुणटुट्टिय॥''

अर्थात्–आज दिल्ली रांड (विधवा) हो गई है और ढूंढाड (आमेर) अनाथ हो गया है। आज का दिन सम्राट पृथ्वीराज के लिए शुभ नहीं है क्योंकि सामंतो का सिरमौर (पंजवनराय) नहीं रहा।

आज विपक्षी सेना प्रबल हो गई है तथा हमारी सेना भ्रमित है। आज राजा पंजवनराय के न होने से, व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गई है। आज हिन्दुओं का प्रभुत्व उतार पर है तथा तुर्क शक्ति प्रबल हो रही है। कच्छवाह राजा पंजवनराय के निधन से तो जैसे मेरे (पृथ्वीराज) धनुष की डोरी (प्रत्यंचा) ही टूट गई है।

कलान्तर में राजा भगवंतदास (1574-1590 ई.) मिर्जा राजा जयसिंह (1621-1647 ई.) रामसिंह प्रथम (1667-1689 ई.) और राजा मानसिंह प्रथम (1589-1614 ई.) तथा महाराजा सवाई जय सिंह ने करीब 125 वर्ष की अवधि में आमेर के किले में अनेक महल व भवन बनवाये। किले में प्रवेश से पूर्व मावठा तालाब और हरा भरा दिलाराम का बाग आगन्तुकों का स्वागत करते हैं। वर्ष भर ही आमेर का किला ओर महल देखने के लिए पर्यटकों का तांता लगा रहता है। जब देशी-विदेशी पर्यटक हाथी पर बैठकर सिंह पोल होते हुए जलेब चौक पहुंचते है तो अपने आपको किसी महाराजा-महारानी से कम नहीं समझतें। किले के विशाल चौक में है भव्य दीवान ए-आम, कभी यही विराजमान होकर राजा अपनी प्रजा के दु:ख-दर्द की सुनवाई और सामंतो से सलाह मशविरा करते थे। इन सब क्रिया कलापों को रानियां महल के गणेश पोल के ऊपर जालीदार झरोखों में बैठकर देखा करती थी। किले में चार बाग, सुख निवास व जल मन्दिर तथा भोजन शाला की छवि देखते ही बनती है इनके निर्माण में राजपूत व मुगल कला का सुन्दर सामंजस्य दिखाई देता है। यहां के शीश महल में बहुत से शीशे जडे हुए है जिनमें आगन्तुकों के असंख्य चेहरे दिखाई देते है।

इस शीश महल के संबंध में हीं मिर्जाराजा जयसिंह के दरबारी कवि बिहारी ने कहा था–

''प्रतिबिंबित जयशाह द्युति, दीपित दर्पण धाम।
जनु जगजीतन को कियो, कोटि रूप मनु काम॥

अर्थात– इस शीश महल में मिर्जा राजा जयसिंह का प्रतिबिंब इस प्रकार से दिखाई देता है मानों विश्व विजय के लिए कामदेव ने करोडों रूप धारण कर लिये है। आमेर किले में ही राजा मानसिंह प्रथम का साधारण सा भवन है और इसके नीचे की ओर राजा मानसिंह की रानियों के अपार्टमेंट बने हुए है। सन् 1962 में जयपुर आगमन पर अमेरिका की प्रथम महिला जेकलीन केनेडी यह महल देखने आई। राज्य के पुरातत्व विभाग के तत्कालीन डायरेक्टर डा. सत्य प्रकाश ने उनको महल दिखाते हुए बताया कि यह राज मानसिंह की दस रानियो के अपार्टमेंट है। तब श्रीमती कनेडी ने उत्सुकता वश पूछा–'व्हाई द महाराजा हैड सो मेनी महारानीज' अर्थात– महाराजा इतनी महारानियां क्यों रखते थे?

डॉ. सत्य प्रकाश ने थोड़ा सोचा ओर कहा कि उस समय की राजनीतिक परिस्थितियों के कारण राजा कई शादियां करते थे। आमेर के मुख्य किले व महल के पास ही शिला माता का मंदिर है। माता की यह मूर्ति राजा मानसिंह प्रथम जसोर (बांगलादेश) से लाये थे। मुगल साम्राज्य में उस समय वह बंगाल के गवर्नर थे। इसीलिये कहा जाता है–

''सांगानेर को सांगो बाबो, जयपुर को हणमान।
आमेर की शिला देवी, लायो राजा मान॥''

आमेर के अन्य दर्शनीय स्थलों में जगत शिरोमणि मन्दिर, नरसिंह जी का मन्दिर और पन्ना बावडी आदि मुख्य है। आमेर की मिठाई गुंजी और मोटी नमकीन सेव भी प्रसिद्ध हैं।

– देवीसिंह नरूका,
(वरिष्ठ लेखक व साहित्यकार)

रेलवे आवास निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग, अधिकारी खानापूर्ति में जुटे

- डीडवाना स्टेशन पर रेल विद्युतीकरण कार्मिकों के लिए बनाए जा रहे हैं आवास
- शिकायत के बावजूद रेलवे अधिकारी कर रहे मात्र खानापूर्ति

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना में रेलवे विद्युतीकरण योजना के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए आवास निर्माण में अनियमितता और घटिया निर्माण सामग्री की शिकायतों के बावजूद रेलवे के अधिकारी मौन है। दिखावटी तौर पर रेलवे अधिकारी और टाटा-इस्कॉन के अधिकारी यहां जांच पड़ताल करने पहुंचे, मगर जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति करने में जुटे हैं, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार डीडवाना से होकर गुजरने वाले जोधपुर-दिल्ली रेलमार्ग के डेगाना-डीडवाना-रतनगढ़ खंड का विद्युतीकरण किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत डीडवाना में विद्युतीकरण योजना के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण कार्य चल रहा है। जानकारी के अनुसार विद्युतीकरण कार्य का टेंडर टाटा इस्कॉन को मिला है और वहां से अन्य ठेकेदारों को सबलेट कर दिया गया है।

डीडवाना में रेलवे विद्युतीकरण योजना के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए आवास निर्माण कराया जा रहा है।

जिसके कारण ठेकेदार निर्माण कार्य की शर्तों का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं और निर्माण में गुणवत्ता से समझौता कर रहे हैं। इस अनियमितता की डीडवाना के जागरूक लोगों द्वारा रेलवे अधिकारियों को जानकारी दी गई, जिस पर जोधपुर मंडल से अधिकारी पहुंचे, जो केवल खानापूर्ति में लगे हैं। इन अधिकारियों ने निर्माण सामठी की जांच करना तो दूर, उल्टे इस मामले को रफा दफा कर खानापूर्ति करने में जुटे हैं। वहीं टाटा के अधिकारी भी शिकायत के बावजूद मौन धारण कर बैठे हैं।

कार्रवाई नहीं होने से जारी है अनियमितता : निर्माणाधीन रेलवे क्वार्टरो के कमरों के फाउंडेशन में कम मिट्टी भरी जा रही है, वहीं चिनाई में भी नदी की बजरी की बजाय क्रेशर की बजरी काम में ली जा रही है, जिसमे बजरी के दानों की बजाय मिट्टी और धूल की मात्रा अधिक है। इसके अलावा भवन के पिलर की मोटाई भी नियमानुसार नहीं है, जिसे गत दिवस वापस तोड़ा गया था। इसके अलावा भवनों में घटिया क्वालिटी की सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है। हालत यह है कि भवन फाउंडेशन के लिए बनाए जा रहे बीम अभी से ही टूटने लगे हैं।

अजमेर शहर की कई कॉलोनियों में बारिश का पानी भरा होने से आक्रोश

- बिपरजॉय तूफान अजमेर में दस्तक देकर भले ही चला गया हो, लेकिन आज भी जख्म हरे हैं
- वार्ड 54 के लोगों ने लगाया सड़क पर जाम, पुलिस ने खदेड़ दिया
- प्रशासन इस बार भी बारिश से हुये प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर आश्वासन देने के सिवा कुछ नहीं कर रहा

अजमेर, (कासं)। राजस्थान में बिपरजॉय तूफान भले ही यहां दस्तक देकर चला गया हो, लेकिन आज भी तूफान अपने जख्मों की छाप कई शहर व कस्बों में छोड गया, इन जख्मों से आहत हुये अजमेर शहर के वार्ड नम्बर 54 के वाशिंदें व सहित शहर की कई कॉलोनियों व गलियों में आज भी बरसाती पानी भरा हुआ है। क्षेत्रवासी अपने घरों में बैठे है और प्रशासन अपनी आंखें बंद कर बैठा हुआ है। प्रशासन हमेशा की तरह इस बार भी केवल बारिश से हुये प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर आश्वासन देने के सिवा कुछ नहीं कर रहा है, जिससे गुस्साये क्षेत्रवासियों ने शुक्रवार को श्रीनगर रोड, एसबीआई बैंक के बाहर सड़क पर जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन करते हुये जिला प्रशासन का ध्यान वार्ड की समस्याओं के प्रति आकर्षित करवा पाते इससे पहले ही जाम लगा रहे क्षेत्रवासियों को पुलिस ने वहां से खदेड दिया। प्रशासन द्वारा एक पंप ओर भिजवाने के बाद ही क्षेत्रवासी शांत हुये।

आक्रोशित लोगों ने वार्ड की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया।

स्थानीय पार्षद सुनिल धानका का कहना है कि मेरे वार्ड में बारिश के दिनों में भरने वाले पानी की निकासी के लिये नाला बनवाना ही मेरी पहली प्राथमिकता है। वहीं दूसरी ओर सुनिल धानका ने यह भी आरोप लगाया कि जिला प्रशासन के अधिकारी जब इस वार्ड का दौरे करके गये, उस समय तो बड़े बडे वादे कर गये, लेकिन बारिश को रूके हुये करीब एक सप्ताह बीत जाने बावजूद एक भी वादा पूरा नही किया और न ही दोबारा इस क्षेत्र की ओर आकर देखा कि यहां की जनता के क्या हाल हैं, जिला प्रशासन की लापरवाही के चलते आज मजबूर होकर क्षेत्रवासियो को सड़क पर उतरना पड़ा। वैसे भी इस वार्ड का दुर्भाग्य है कि यह वार्ड भले ही नगर निगम में आता है, लेकिन इसका विधानसभा क्षेत्र पुष्कर है और विधायक भी भाजपा से और नगर निगम में भी भाजपा का बोर्ड से महापौर बने हुये है। वार्ड 54 का पार्षद कांग्रेस पार्टी से होने के कारण इसके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। कांग्रेस की प्रदेश में सरकार होते हुये भी आज कांग्रेसी पार्षद को अपने क्षेत्र की जनता के साथ प्रदर्शन करना पडा। निगम की होने वाली साधारण सभा में भी क्षेत्रीय पार्षद को नहीं बुलाया जाता है, जिसके कारण यह वार्ड विकास कार्यो में पिछड़ रहा है। हमेशा की तरह यहां के क्षेत्रवासी प्रशासन द्वारा किये गये वादों पर ही भरोसा करके एक साल निकाल देता ओर फिर वापस बारिश का मौसम आ जाता है और फिर वहीं समस्या इनके सामने खड़ी हो जाती है जिसके चलते लोगों के घरों में आज भी पानी भरा हुआ है उनके लिये कोई व्यवस्था प्रशासन नहीं कर रहा है, जिसके कारण लोग अपने बच्चों को लेकर इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं।

रेलवे ने विशेष अभियान में 1359 बिना टिकट यात्री पकड़े

- सात लाख रुपए का राजस्व वसूल किया
- उत्तर-पश्चिम रेलवे जोन पर एक साथ चला टिकट जांच अभियान

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे पर गुरुवार को चलाए गए मेघा टिकट जांच अभियान के अंतर्गत जोधपुर मंडल में टिकट चेकिंग स्टाफ ने 24 घंटों में बिना टिकट और अनियमित यात्रा के 1359 मामले पकड़ कर लगभग 7 लाख रुपए का उल्लेखनीय राजस्व वसूल किया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास खेड़ा ने बताया कि उत्तर-पश्चिम रेलवे जोन के सभी चार मंडलों में गुरुवार को टिकट चेकिंग का एक दिन का विशेष अभियान चलाया गया जिसमें जोधपुर मंडल के टिकट चेकिंग स्टाफ ने उत्साहपूर्वक उल्लेखनीय कार्य किया। उन्होंने बताया कि डीआरएम पंकज कुमार सिंह के नेतृत्व में संचालित विशेष टिकट जांच अभियान के तहत जोधपुर मंडल के सभी रेल खंडों पर सघन व पूर्ण क्षमता से टिकट चेकिंग की गई जिसमें 1186 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए जिनसे 3 लाख 32 हजार 990 रुपए किराया व 2 लाख 97 हजार 760 रुपए जुर्माना वसूल किया गया। इसी प्रकार पकड़े गए अनियमित यात्रा के 94 मामलों में 22 हजार 710 रुपए किराया व 24 हजार 630 रुपए जुर्माना राशि वसूल की गई।

अभियान के दौरान 24 घंटों में ट्रेनों व प्लेटफॉर्म पर गंदगी फैलाते पकड़े गए 76 यात्रियों से 8 हजार 600 रुपए तथा धूम्रपान करने वाले 3 यात्रियों से छह सौ रुपए वसूल किए गए।

राशिफल शनिवार 24 जून, 2023

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2080, मघा नक्षत्र प्रात: 7:18 तक, सिद्धि योग रविवार प्रात: 5:26 तक, कौलव करण प्रात: 9:06 तक, चन्द्रमा सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग प्रात: 7:18 से है। बुध मिथुन राशि में दिन 12:41 से प्रवेश करेगा। आज कुमार षष्ठि व्रत, कसुम्बा षष्ठी, कर्दम षष्ठि है और श्री महावीर स्वामी मर्म कल्याणक है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:21 से 9:04 तक, चर 12:29 से 2:12 तक, लाभ-अमृत 2:12 से 5:37 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:20

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

वृष
परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से व्यावसायिक समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मन प्रसन्न होगा।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। धन हानि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला
व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आय के नवीन स्त्रोत सामने आ सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में अनावश्यक धार्मिक आयोजन हो सकते हैं।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा। मानसिक तनाव बना रहेगा।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।